भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 602 का उत्तर

भागलपुर जिले में प्लेटफार्म संबंधी कार्य

602. श्री अजय कुमार मंडल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार के भागलपुर जिले में रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म से संबंधित नियोजित, प्रगतिरत कार्यों का ब्यौरा क्या है तथा चालू वर्ष के लिए उनका मंडल और खंड-वार लक्ष्य क्या है;

(ख) नए प्लेटफॉर्म, जीपीएस सिंक वाली डिजिटल घड़ियों, कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, कोच, समरी डिस्प्ले बोर्ड, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, सीसीटीवी लगाने, वाई-फाई, एस्केलेटर, पीने के पानी की सुविधा और शौचालय की सुविधाओं के निर्माण का ब्यौरा क्या है; और

(ग) महिलाओं और दिव्यांग लोगों के लिए किए गए विशेष प्रबंध का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए बिहार राज्य के 98 स्टेशनों सहित 1337 रेलवे स्टेशन चिह्नित किए गए हैं। इनमें भागलपुर जिले के भागलपुर, नौगछिया, शिवनारायणपुर, सबौर, पीरपैंती, कहलगांव और सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन शामिल हैं। फिलहाल 105 रेलवे स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है और इन्हें कमीशन कर दिया गया है।

इन स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

अंबिकापुर, आमगांव, अयोध्या धाम, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बरेली शहर, बेगमपेट, भानुप्रतापपुर, भिलाई, बिजनोर, बूंदी, चंदा फोर्ट, चिदम्बरम, चिंचपोकली, चिरयिनकीज़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर शेखावटी, गडग, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकरनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हैबरगांव, हाथरस सिटी, हापा, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जॉयचंदी पहाड़, कल्याणी घोषपाड़ा, कनालूस जं., करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, केडगांव, कोसांबा जं., कुलीत्तुराई, लासलगांव, लिंबडी, लोनंद जं., माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावरमहवा रोड, मंडी डबवाली, मन्नारगुडी, माटुंगा, मीठापुर, मोरबी, मुनिराबाद, मुर्तिजापुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताना, पानागढ़, परेल, पीरपैंती, पोखरायण, पोलूर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन, सामाखियाली, सामलपट्टी, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहाद, शाजापुर, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, श्रीरंगम, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, थावे, तिरुवन्नामलाई, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकारा, वडाला रोड, वृद्धाचलम जंक्शन, वारंगल।

इसके अलावा, बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास के कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

नौगछिया स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग के नए दूसरे प्रवेश द्वार की नींव और प्लेटफार्म शेल्टर की नींव का कार्य पूरा हो गया है। स्टेशन बिल्डिंग के नए दूसरे प्रवेश द्वार की बेसमेंट का कार्य, दूसरे प्रवेश द्वारा पर परिचलन क्षेत्र का विकास कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार पर जलनिकासी में सुधार और 12 मीटर चौड़े उपरि पैदल पुल की नींव का कार्य शुरू हो गया है।

शिवनारायणपुर स्टेशन में स्टेशन बिल्डिंग, कॉनकोर्स एरिया के कार्य, प्रतीक्षा हॉल में सुधार, कोच और ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, विज़ुअल डिस्प्ले बोर्ड, साइनेज, परिचलन क्षेत्र में सुधार और पे एंड यूज़ शौचालय का कार्य पूरा हो गया है। नए पैदल पार पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

सबौर स्टेशन में प्रतीक्षा हॉल का सुधार कार्य, कोच और ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, विज़ुअल डिस्प्ले बोर्ड और साइनेज लगाने का कार्य पूरा हो गया है। स्टेशन बिल्डिंग में सुधार लाने और परिचलन क्षेत्र को बेहतर बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

कहलगांव स्टेशन में प्रतीक्षा हॉल में सुधार लाने, नए पे एंड यूज़ शौचालय बनाने, साइनेज लगाने, पोर्टिको समेत स्टेशन बिल्डिंग को बेहतर बनाने, कॉन्कोर्स एरिया, परिचलन क्षेत्र में सुधार लाने, विज़ुअल डिस्प्ले बोर्ड लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए पैदल पार पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

सुल्तानगंज स्टेशन में प्रतीक्षा हॉल में सुधार लाने का कार्य, नए पे एंड यूज़ शौचालय का निर्माण, साइनेज लगाने, पोर्टिको समेत स्टेशन बिल्डिंग को बेहतर बनाने, परिचलन क्षेत्र, कॉन्कोर्स एरिया को बेहतर बनाने और विज़ुअल डिस्प्ले बोर्ड लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए पैदल पार पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भागलपुर रेलवे स्टेशन के विकास के लिए मास्टर प्लानिंग शुरू कर दी गई है। यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें ऑप्टिमाइज़ेशन की ज़रूरत है और इस स्तर पर इस ऑप्टिमाइज़ेशन के लिए निश्चित समय सीमा का उल्लेख नहीं किया जा सकता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों को विकसित करने के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इसमें प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह में सुधार और प्लेटफार्म के ऊपर कवर,

स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य स्टेशन भवन में सुधार, शहर के दोनों भागों के साथ स्टेशन का एकीकरण, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" या 'एक्सेसिबल इंडिया कैम्पेन' के एक भाग के रूप में, भारतीय रेल अपने रेलवे स्टेशनों को दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों हेतु सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, "भिन्न रूप से सक्षम दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों की भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों तक पहुंच और स्टेशनों पर इनकी सुविधाओं संबंधी दिशानिर्देश" भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए गए हैं और इन्हें परिपत्रित किया गया है। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं के प्रावधान शामिल हैं जैसे प्रवेश रैंप, सुलभ पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट काउंटर/सहायता बूथ, शौचालय, पीने के पानी के बूथ, रैंप/लिफ्ट की सुविधा सहित सबवे/उपरि पैदल पुल और दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों हेतु ब्रेल साइनेज सहित मानक साइनेज और स्पर्शनीय पथ आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण निरन्तर और सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के

विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का ब्यौरा कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है। भागलपुर जिला, पूर्व मध्य रेलवे और पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है, जिसके लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 942 करोड़ रु. (बजट अनुमान) का कुल आवंटन किया गया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****